महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी

दर्शनशास्त्र विभाग

अध्ययन समिति (8 सितम्बर 2015) द्वारा संशोधित स्नातकोत्तर (दर्शनशास्त्र) का पाठ्यक्रम

सत्र 2015–16

Mahatma Gandhi Kashi Vidyapith, Varanasi

Department of Philosophy

Syllabus of M.A. (Philosophy) as revised by Board of Studies (Dated 08 September 2015)

Department of Philosophy

Session 2015-16

प्रथम सेमेस्टर

प्रश्नपत्र प्रथम

भारतीय दर्शन – I

इकाई – 1

उपनिषद् – ब्रह्म, आत्मा।

गीता – निष्काम कर्मयोग, स्थितप्रज्ञ।

इकाई – 2

चार्वाक – ज्ञानमीमांसा, तत्त्वमीमांसा एवं आचारमीमांसा।

इकाई – 3

जैन दर्शन – स्याद्वाद, अनेकान्तवाद, बन्धन एवं मोक्ष।

इकाई – 4

बौद्ध दर्शन – प्रतीत्यसमुत्पाद, अनात्मवाद, निर्वाण, बौद्ध दर्शन के चार सम्प्रदाय।

Department of Philosophy
M.A. Semester I
Paper I
Indian Philosophy – 1

Unit – 1

Upanishads – Brahman, Atman

Gita – Niskama Karma- Yoga, Sthitaprajna

Unit – 2

Charvaka -Epistemology, Metaphysics and Ethics

Unit – 3

Jainism – Syadvada, Anekantavada, Bondage and Liberation.

Unit – 4

Buddhism – Pratityasamutpadavad, Anatmavad, Nirvana, Four Sects of Buddhism

Suggested Readings –

1. S. Radhakrishnan : Indian Philosophy, Vol. I & II
2. S.N. Dasgupta : History of Indian Philosophy, Vol. I, II & III
3. C.D. Sharma : A Critical Survey of Indian Philosophy
4. M. Hirianna : Outlines of Indian Philosophy
5. Yadunath Sinha : Indian Philosophy, Vol. I & II
6. संगम लाल पाण्डेय : भारतीय दर्शन का सर्वेक्षण
7. नन्द किशोर देवराज : भारतीय दर्शन
8. दत्त एवं चटर्जी : भारतीय दर्शन
9. हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा : भारतीय दर्शन की रूपरेखा
10. बलदेव प्रसाद उपाध्याय : भारतीय दर्शन
11. चन्द्रधर शर्मा : भारतीय दर्शन आलोचना एवं अनुशीलन
12. बी0एन0 सिंह : भारतीय दर्शन की रूपरेखा
13. बी0एन0 सिन्हा : भारतीय दर्शन के प्रमुख सिद्धान्त एवं समस्याएं

दर्शनशास्त्र विभाग
एम0ए0 सेमेस्टर प्रथम,
प्रश्नपत्र द्वितीय

ग्रीक एवं मध्ययुगीन दर्शन

इकाई – 1

सुकरात – पूर्व ग्रीक दर्शन का सामान्य परिचय : थेलीज, पाइथागोरस, पार्मेनाइडीज, हेरेक्लाइटस।

इकाई – 2

प्लेटो – प्रत्यय का स्वरूप, प्रत्ययवाद, शुभ का प्रत्यय, ज्ञानमीमांसा।

इकाई – 3

अरस्तू – प्लेटो के प्रत्ययवाद का खण्डन, द्रव्य एवं आकार, कारणता, सामान्य एवं विशेष।

इकाई – 4

सन्त एक्विनस – ईश्वर, ईश्वर के अस्तित्व हेतु तर्क, सन्त आगस्ताइन –ईश्वर, अशुभ की समस्या, संकल्प स्वातन्त्र्य।

Department of Philosophy
M.A. Semester - I
Paper – II

Greek and Medieval Philosophy

Unit – 1

General Introduction to Pre-Socratic Greek Philosophy : Thales, Pythagoras, Parmenides, Heraclitus.

Unit – 2

Plato –Nature of Idea, Idealism, Idea of Good, Theory of Knowledge.

Unit – 3

Aristotle – Refutation of Plato's Idealism, Form and Matter, Causality, Universal and Particular,

Unit – 4

Saint Aquinas- God Proofs for the Existence, Saint Augustine – God, Problem of Evils, Freedom of Will.

Suggested Readings –

1. B.A.G. Fuller : History of Western Philosophy.
2. Falkenberg : A History of Modern Philosophy
3. Thilly : A History of Philosophy
4. Russell : A History of Western Philosophy
5. W.T. Stace : A Critical History of Greek Philosophy
6. W.K. Wright : A History of Modern Philosophy
7. दयाकृष्ण : पाश्चात्य दर्शन, वाल्यूम I & II
8. याकूब मसीह : पाश्चात्य दर्शन का समीक्षात्मक इतिहास
9. हरिशंकर उपाध्याय : पाश्चात्य दर्शन का उद्‌भव और विकास
10. अर्जुन मिश्र : पाश्चात्य दर्शन की मुख्य धारायें
11. जगदीश सहाय श्रीवास्तव : अर्वाचीन दर्शन का वैज्ञानिक इतिहास
12. जगदीश सहाय श्रीवास्तव : ग्रीक एवं मध्ययुगीन दर्शन का वैज्ञानिक इतिहास
13. सी0डी0 शर्मा : पाश्चात्य दर्शन
14. डॉ0 बी0एन0 सिंह : पाश्चात्य दर्शन

दर्शनशास्त्र विभाग
एम0ए0 सेमेस्टर प्रथम,
प्रश्नपत्र तृतीय (वैकल्पिक)

समाज दर्शन

इकाई – 1

मानव स्वभाव की उत्पत्ति, समाज की उत्पत्ति, संस्थाओं की उत्पत्ति, समाज के दार्शनिक आधार, समाज दर्शन की विधियाँ, समाज दर्शन का अध्ययन क्षेत्र, समाज दर्शन का दर्शनशास्त्र, राजनीतिशास्त्र एवं समाजशास्त्र से सम्बन्ध।

इकाई – 2

मानव एवं समाज के लक्ष्य, इन लक्ष्यों की प्राप्ति में परिवार, विवाह, वर्णाश्रम की भूमिका। सामाजिक संस्था– परिवार एवं विवाह के प्राकृतिक एवं नैतिक आधार। सामाजिक परिवर्तन, परम्परा एवं आधुनिकता।

इकाई – 3

सामाजिक दार्शनिक के रूप में महात्मा गांधी, डॉ0 भगवानदास, डॉ0 बी0आर0 अम्बेडकर एवं महर्षि अरविन्द के विचार।

इकाई – 4

समाजवाद के सम्बन्ध में आचार्य नरेन्द्रदेव, राममनोहर लोहिया, रविन्द्रनाथ ठाकुर एवं सुभाषचन्द्र बोस के विचार।

Department of Philosophy
M.A. Semester - I
Paper – III (Optional)

Social Philosophy

Unit – 1

Origin of Human Nature, Origin of Society, Origin of Institutions, Philosophical Basis of Society, Methods of Social Philosophy, Scope of Social Philosophy, Relation of Social Philosophy with Philosophy, Political Science and Sociology.

Unit – 2

Goals of Human and Society, The Role of Family, Marriage and Varna Ashrama to Acheive these Goals, Social Institutions : Natural and Moral Basis of Family and Marriage. Social Change, Tradition and Modernity.

Unit – 3

The Thoughts of Mahatma Gandhi, Dr. Bhagwandass, Dr. B.R. Ambedkar and Maharshi Aurobindo as Social Philosopher.

Unit – 4

The Thought of Acharya Narendra Dev, Ram Manohar Lohiya, Ravindra Nath Thakur and Subhash Chandra Bose, regarding Socialism.

Suggested Readings –

1. A.K. Sinha : Outlines of Social Philosophy.
2. J.S. Machanzi : An Outlines of Social Philosophy.
3. जगदीश सहाय श्रीवास्तव : समाज दर्शन की भूमिका
4. शिवभानु सिंह : समाज दर्शन का सर्वेक्षण
5. हृदय नारायण मिश्र : समाज दर्शन (सैद्धान्तिक एवं समस्यात्मक)
6. वशिष्ठ नारायण सिन्हा : समाज दर्शन
7. गीतारानी अग्रवाल : धर्म शास्त्रों का समाजदर्शन
8. संगम लाल पाण्डेय : समाज दर्शन की एक प्रणाली
9. पिताम्बर दास : डॉ0 भीमराव अम्बेडकर का मानववाद
10. पिताम्बर दास एवं ओम प्रकाश सोनिया : सामाजिक पुनर्निर्माण में डॉ0 भगवानदास के धर्मदर्शन का योगदान
11. सविता भारद्वाज : भारत का सामाजिक और राजनैतिक दर्शन

दर्शनशास्त्र विभाग
एम0ए0 सेमेस्टर प्रथम,
प्रश्नपत्र तृतीय (वैकल्पिक)

तर्कशास्त्र–1

इकाई – 1

तर्कशास्त्र का स्वरूप एवं परिभाषा, युक्ति का स्वरूप सत्यता एवं वैधता, युक्ति–आकार, सत्यता सारणी विधि द्वारा युक्तियों की वैधता एवं अवैधता का परीक्षण।

इकाई – 2

सरल एवं मिश्र कथन, मिश्र कथनों के प्रकार, वाक्याकार– पुनर्कथन, सम्भाव्य एवं व्याघाती, युक्ति आकार, तार्किक प्रतिपत्ति एवं शाब्दिक प्रतिपत्ति। सत्यता सारणी विधि द्वारा वाक्याकारों का परीक्षण।

इकाई – 3

वैधता का आकारिक प्रमाण – अनुमान के नियम, प्रतिस्थापन के नियम एवं सोपाधिक प्रमाण का नियम।

इकाई – 4

सोपाधिक प्रमाण का अतिबल नियम, अप्रत्यक्ष प्रमाण का नियम, वैधता एवं अवैधता का प्रमाण, संक्षिप्त सारणी विधि द्वारा वैधता एवं अवैधता सिद्ध करना।

Department of Philosophy
M.A. Semester - I
Paper – III (Optional)

Logic - 1

Unit – 1

Nature and Definition Logic Nature of Argument. Truth and Validity, Argument Form, Testing validity and invalidity of Arguments through Truth Table method.

Unit – 2

Simple and Complex proposition, Kinds of Compex proposition, Statement-form : Tautology, Contingent and Contradictory, Statement – Forms, Logical and Material Implication, Testing statement – Forms through Truth Table Method.

Unit – 3

Formal Proof of Validity – Rules of Inference, Rules of Substitution, Rule of Conditional Proof.

Unit – 4

Rule of Strenthened Conditional Proof, Rule of Indiarect Proof, Proofs of Validity and Invalidity Proving Validity or Invalidity through Short-Truth-Table-Method.

Suggested Readings –

1. I.M. Copi : Symbolic Logic
2. Suppes : Introduction to Symbolic Logic
3. Bassion and Cornor : Introduction to Symbolic Logic
4. अविनाश कुमार तिवारी : प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र : एक अध्ययन
5. अशोक कुमार वर्मा : प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र

दर्शनशास्त्र विभाग
एम0ए0 सेमेस्टर प्रथम,
प्रश्नपत्र चतुर्थ

नीतिशास्त्र (भारतीय एवं पाश्चात्य)

इकाई – 1

क. नीतिशास्त्र की परिभाषा।

ख. भारतीय नीतिशास्त्र की विशेषताएं।

ग. नैतिकता की पूर्वमान्यतायें – कर्मवाद, पुनर्जन्म, आत्मा की अमरता।

इकाई – 2

क. पुरुषार्थ की अवधारणा।

ख. निष्काम कर्म।

ग. गाँधी–दर्शन में अहिंसा का सिद्धान्त।

इकाई – 3

क. अरस्तू के अनुसार सद्गुणों का स्वरूप।

ख. अरस्तू के नैतिक दर्शन में मध्यम मार्ग।

ग. मिल का उपयोगितावाद।

इकाई – 4

क. संकल्प की स्वतन्त्रता और नैतिक उत्तरदायित्व।

ख. काण्ट का नैतिक दर्शन – शुभ संकल्प, कर्तव्य के लिए कर्तव्य, निरपेक्ष आदेश।

ग. नीत्शे – मूल्यों का मूल्यांतरण।

Department of Philosophy
M.A. Semester - I
Paper – IV

Ethics (Indian and Western)

Unit – 1

i) Definition of Ethics.

ii) Characteristics of Indian Ethics.

iii) Postulates of Morality : Karmavad, Rebrith and Immortality of Soul.

Unit – 2

i) The Concept of Purusartha.

ii) Niskam-Karma.

iii) Concept of Ahimsa in Gandhian Philosophy.

Unit – 3

i) The Nature of Virtue according to Aristotle.

ii) The Golden Mean in Aristotle's Moral Philosophy

iii) Mills Utilitarianism.

Unit – 4

i) Freedom of Will and Moral Responsibility.

ii) Kant's Moral Philosophy : Good Will, Duty for Duty Sake, Categorical Imperative.

iii) Nietzscte – Trans-valuation of Values.

Suggested Readings –

1. Aristotle : Nichomachean Ethics
2. William Lillie : Introduction of Ethics
3. Kant : Foundation of the Metaphysics of Morals
4. William K. Frankena and Johri T. Granrose (ed.) : Introductory Readings in Ethics
5. Sellers and Hosperse (ed.) : Readings in Ethical Theory
6. वेद प्रकाश वर्मा : नीतिशास्त्र के मूल सिद्धान्त
7. नित्यानन्द मिश्र : नीतिशास्त्र
8. बी0एन0 सिंह : नीतिशास्त्र
9. संगम लाल पाण्डेय : नीतिशास्त्र का सर्वेक्षण
10. राजवीर सिंह शेखावत (संम्पा0) : भारतीय नीतिशास्त्र

दर्शनशास्त्र विभाग
एम0ए0 सेमेस्टर द्वितीय,
प्रश्नपत्र प्रथम

भारतीय दर्शन – II

इकाई – 1

सांख्य – सत्कार्यवाद, पुरुष, प्रकृति, विकासवाद।

योग – अष्टांगयोग।

इकाई – 2

न्याय – प्रमाण, ईश्वर।

वैशेषिक – पदार्थ।

इकाई – 3

मीमांसा – कर्म का स्वरूप, प्रामाण्यवाद।

अद्वैत वेदान्त – ब्रह्म, माया एवं मोक्ष का स्वरूप।

इकाई – 4

विशिष्टाद्वैत वेदान्त – ब्रह्म, ईश्वर, मायावाद का खण्डन, मुक्ति।

Department of Philosophy
M.A. Semester – II
Paper - I

Indian Philosophy – II

Unit – 1

Samkhya – Satkaryavada, Purusha, Prakriti, Evolutionism.

Yoga – Astangyoga.

Unit – 2

Nyay – Pramana, God.

Vaisesika – Padartha.

Unit – 3

Mimamsa – Nature of Karma, Pramanyavada.

Advait Vedanta – Brahman, Maya and Nature of Liberation.

Unit – 4

Visistadvait Vedanta – Brahman, Refutation of Mayavada of Sankara, Liberation.

Suggested Readings –

1. S. Radhakrishnan : Indian Philosophy, Vol. I & II
2. S.N. Dasgupta : History of Indian Philosophy, Vol. I, II & III
3. C.D. Sharma : A Critical Survey of Indian Philosophy
4. M. Hirianna : Outlines of Indian Philosophy
5. Yadunath Sinha : Indian Philosophy, Vol. I & II
6. संगम लाल पाण्डेय : भारतीय दर्शन का सर्वेक्षण
7. नन्द किशोर देवराज : भारतीय दर्शन
8. दत्त एवं चटर्जी : भारतीय दर्शन
9. हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा : भारतीय दर्शन की रूपरेखा
10. बलदेव प्रसाद उपाध्याय : भारतीय दर्शन
11. चन्द्रधर शर्मा : भारतीय दर्शन आलोचना एवं अनुशीलन
12. बी0एन0 सिंह : भारतीय दर्शन की रूपरेखा
13. बी0एन0 सिन्हा : भारतीय दर्शन के प्रमुख सिद्धान्त एवं समस्याएं

दर्शनशास्त्र विभाग
एम0ए0, सेमेस्टर द्वितीय,
प्रश्नपत्र द्वितीय

आधुनिक पाश्चात्य दर्शन

इकाई – 1

डेकार्ट – 'मैं सोचता हूँ इसलिए मैं हूँ', ईश्वर के अस्तित्व सम्बन्धी प्रमाण, मन–शरीर समस्या।

स्पिनोजा – गुण एवं पर्याय, मन–शरीर सम्बन्ध (समानान्तरवाद), सर्वेश्वरवाद।

इकाई – 2

लाइबनित्ज – चिदणुवाद, पूर्व स्थापित सामन्जस्य।

लॉक – जन्मजात प्रत्ययों का खण्डन, ज्ञान का स्वरूप एवं सीमा।

इकाई – 3

बर्कले – अमूर्त प्रत्ययों का खण्डन, आत्मगत प्रत्ययवाद।

ह्यूम – संस्कार और विज्ञान, सरल एवं मिश्र प्रत्यय, प्रत्यय–साहचर्य और ज्ञान, सन्देहवाद।

इकाई – 4

काण्ट – समीक्षावाद, संश्लेषणात्मक अनुभव निरपेक्ष निर्णय, देश एवं काल।

हेगेल – निरपेक्ष सत् का स्वरूप, द्वन्द्वात्मक पद्धति, वस्तुगत प्रत्ययवाद।

Department of Philosophy
M.A. Second - II
Paper – II

Modern Western Philosophy

Unit – 1

Descartes – 'Cogito ergo Sum', Proofs for the Existence of God, Mind-Body Problem.

Spinoza - Attribute and Modes, Pantheism, Mind – Body Relation (Parallelism).

Unit – 2

Leibnitz – Monadology, Pre-established Harmony.

Locke – Refutation of Innate Ideas, Nature and Limits of Knowledge.

Unit – 3

Berkeley – Refutation of Abstract Ideas, Subjective Idealism.

Hume – Impressions and Ideas, Simple and Compound Ideas, Laws of Association of Ideas and Knowledge, Skepticism.

Unit – 4

Kant's Criticism, Synthetic Apriori Judgments, Space and Time.

Hegel – Nature of Absolute Reality, Dialectic Method, Objective Idealism.

Suggested Readings –

1. B.A.G. Fuller : History of Western Philosophy.
2. Falkenberg : A History of Modern Philosophy
3. Thilly : A History of Philosophy
4. Russell : A History of Western Philosophy
5. W.T. Stace : A Critical History of Greek Philosophy
6. W.K. Wright : A History of Modern Philosophy
7. दयाकृष्ण : पाश्चात्य दर्शन वाल्यूम I & II
8. याकूब मसीह : पाश्चात्य दर्शन का समीक्षात्मक इतिहास
9. हरिशंकर उपाध्याय : पाश्चात्य दर्शन का उद्‌भव और विकास
10. अर्जुन मिश्र : पाश्चात्य दर्शन की मुख्य धारायें
11. जगदीश सहाय श्रीवास्तव : अर्वाचीन दर्शन का वैज्ञानिक इतिहास

दर्शनशास्त्र विभाग
एम0ए0 सेमेस्टर द्वितीय,
प्रश्नपत्र तृतीय (वैकल्पिक)

राजनीतिक दर्शन

इकाई – 1

राज्य के दार्शनिक आधार, राज्य के मूल तत्त्व, राज्य की उत्पत्ति के विभिन्न सिद्धान्त, राज्य के स्वरूप से सम्बन्धित विभिन्न मत। राजनीतिक दर्शन का स्वरूप एवं विधियाँ।

इकाई – 2

न्याय की दार्शनिक पृष्ठभूमि, न्याय के विभिन्न सिद्धान्त, न्याय की आवश्यकता, दण्ड की नैतिक पृष्ठभूमि, दण्ड के विभिन्न सिद्धान्त, राज्य के सन्तुलन में दण्ड की भूमिका, विश्व युद्ध एवं शान्ति में अन्तर्राष्ट्रीय कानून एवं अन्तर्राष्ट्रीय नैतिकता की भूमिका।

इकाई – 3

सामाजिक आदर्श : अभिजात्य एवं लोकतान्त्रिक व्यक्ति एवं राज्य के विकास में इनकी भूमिका, लोकतन्त्र की दार्शनिक पृष्ठभूमि, लोकतन्त्र के आधार, क्या लोकतन्त्र सर्वश्रेष्ठ तन्त्र है?

इकाई – 4

सामाजिक विचारधाराएँ : पूँजीवाद की दार्शनिक पृष्ठभूमि, पूँजीवाद के गुण एवं दोष, समाजवाद के दार्शनिक आधार, समाजवाद का लक्ष्य, व्यक्ति एवं राज्य के विकास में साम्यवाद की भूमिका, फासीवाद के आधार एवं औचित्य, नाजीवाद का नैतिक औचित्य।

Department of Philosophy
M.A. Semester II
Paper – III (Optional)
Political Philosophy

Unit – 1

Philosophical Basis of State, Basic Elements of State, Various Theories for the Origin of State, Various Theories for the Nature of State, Nature and Methods of Political Philosophy.

Unit – 2

Philosophical Backgrounds for Justice, Various Theories of Justice, Need of Justice, Moral Backgrounds of Punishment, Various Theories of Punishment, Role of Punishment

in the Stability of State, Role of International Morality and Law in the World War and Peace.

Unit – 3

Social Ideology : Aristocratic and Democratic, Their Role in the Progress of Man and State, Philosophical Backgrounds for Democracy, Basis of Democracy of is Democracy a best System?

Unit – 4

Social Ideology : Philosophical Backgrounds for Capitalism, Merits and Demerits of Capitalism, Philosophical Basis of Socialism, Aims of Socialism, Role of Communism in the progress of Man and State, Basis and justification for Facism, Moral justification for Nazism.

Suggested Readings –

1. George H. Sabine : History of Political Philosophy
2. D.D. Raphal : Problems of Political Philosophy
3. जगदीश सहाय श्रीवास्तव : समाज दर्शन की भूमिका
4. शिव भानु सिंह : समाजदर्शन का सर्वेक्षण
5. हृदय नारायण मिश्र : सामाजिक एवं राजनैतिक दर्शन
6. संगम लाल पाण्डेय : समाज दर्शन की एक प्रणाली
7. पिताम्बर दास : डॉ0 भीमराव अम्बेडकर का मानववाद
8. बी0एन0 सिन्हा : समाजदर्शन

दर्शनशास्त्र विभाग
एम0ए0 सेमेस्टर द्वितीय,
प्रश्नपत्र तृतीय (वैकल्पिक)

तर्कशास्त्र – 2

इकाई – 1

परिमाणन सिद्धान्त – एकवचनात्मक एवं सामान्य तर्कवाक्य, तर्कवाक्यों का प्रतीकीकरण, परिमाणकों का सम्बन्ध एवं क्षेत्र, तर्कवाक्य एवं तर्कवाक्यीय फलन, तर्कवाक्यों का अर्थ।

इकाई – 2

परिमाणन के प्रारम्भिक नियम, परिमाणन के नियमों द्वारा वैधता एवं अवैधता प्रमाणित करना।

इकाई – 3

तर्कवाक्यों का वर्गीकरण, सम्बन्धात्मक तर्कवाक्य, सम्बन्धों की विशेषताएं, सम्बन्धात्मक तर्कवाक्यों का प्रतीकीकरण, सम्बन्धात्मक तर्कवाक्यों के प्रकार, सम्बन्धात्मक तर्कवाक्यों की युक्तियाँ।

इकाई – 4

तादात्म्य सम्बन्ध, निश्चित एवं अनिश्चित वर्णन, तादात्म्य सम्बन्ध और निश्चित वर्णन, तर्कवाक्यों में सम्बन्ध, तादात्म्य सम्बन्ध के लक्षण, तादात्म्य सम्बन्ध से सम्बन्धित युक्तियाँ।

Department of Philosophy
M.A.Semester- II
Paper – III (Optional)
Logic - II

Unit – 1

Principle of Quantification, Singular and General Proposition, Symbolization of Proposition, Relation between Quantifiers and their Scope, Proposition and Propositonal Function, Meaning of Propositions.

Unit – 2

Priliminary Rules of Quantification, Testing Validity and Invalidity through Quantification Rules.

Unit – 3

Classification of Propositions, Relational Propositions Charactertistics (attributes) of Relations, Symbolization, of Relational Propositions Kinds of Relational Propositions, Arguments regarding Relational Propositions.

Unit – 4

Relation of Identity, Definite and Indefinite Descriptions, Relation between Relation of Identity and Definite Description, Criterian of Relation of identity, Arguments regarding Relation of Identity.

Suggested Readings –

1. I..M. Copi : Symbolic Logic
2. Suppes : Introduction to Symbolic Logic
3. Bassion & Conner : Introduction to Symboloc Logic
4. अविनाश तिवारी : प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र एक अध्ययन
5. अशोक कुमार वर्मा : प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र

दर्शनशास्त्र विभाग
एम0ए0 सेमेस्टर द्वितीय,
प्रश्नपत्र चतुर्थ

अधिनीतिशास्त्र एवं अनुप्रयुक्त नीतिशास्त्र

इकाई – 1

क. अधिनीतिशास्त्र का स्वरूप।

ख. संज्ञानवाद – प्रकृतिवाद एवं निर्प्रकृतिवाद।

ग. मूर : शुभ का अर्थ और प्रकृतिवादी तर्कदोष।

इकाई – 2

क. असंज्ञानवाद – स्वरूप एवं विशेषतायें।

ख. संवेगवाद – स्टीवेन्सन : नैतिक निर्णय का अर्थ एवं स्वरूप।

ग. परामर्शवाद – आर0एम0 हेयर : नैतिक निर्णय का अर्थ एवं स्वरूप।

इकाई – 3

क. मनुष्य प्रकृति सम्बन्ध।

ख. पारिस्थितिकी नीतिशास्त्र।

ग. भ्रूण–हत्या।

इकाई – 4

क. जीवन का अर्थ एवं मूल्य।

ख. युथनेशिया नैतिक या अनैतिक ?

ग. आत्महत्या की परिभाषा एवं नैतिक मूल्यांकन।

Department of Philosophy
M.A. Semester – II
Paper – IV
Meta-ethics and Applied Ethics

Unit – 1

i) Nature of Meta-ethics.

ii) Cognitivism – Naturalism and Non-Naturalism.

iii) Moore : Meaning of Good and Naturalistic Fallacy.

Unit – 2

i) Nature and Characteristics of Non-Cognitiusm.

ii) Emotivism – Steuenson : Meaning and Nature of Moral Judgement.

iii) Prescriptivsm – R.M. Hare : Meaning and Nature of Moral Judgements.

Unit – 3

i) Man – Nature Relation.

ii) Ecological Ethics.

iii) Abortion.

Unit – 4

i) Meaning and Value of Life.

ii) Euthanasia.

iii) Sucide, Definition and Evaluation.

Suggested Readings –

1. W.D. Hudson : Modern Moral Philosophy
2. Binkley : Contemporary Ethical Theories
3. Marry Warnock : Ethics Since 1900
4. G.J. Warnock : Contemporary Moral Philosophy
5. Rechard B. Brandt : Ethical Theory
6. Peter Singer : Practical Ethics
7. वेद प्रकाश वर्मा : अधिनीतिशास्त्र के मुख्य सिद्धान्त
8. नित्यानन्द मिश्र : नीतिशास्त्र
9. बी0एन0 सिह : नीतिशास्त्र
10. संगम लाल पाण्डेय : नीतिशास्त्र का सर्वेक्षण

दर्शनशास्त्र विभाग
एम0ए0 सेमेस्टर तृतीय,
प्रश्नपत्र प्रथम

समकालीन भारतीय दर्शन

इकाई – 1

महात्मा गांधी – ईश्वर, सत्य, अहिंसा, सत्याग्रह एवं गीतामाता की धारणा।

इकाई – 2

श्री अरविन्द – व्यक्ति, प्रकृति एवं ईश्वर की अवधारणा, दिव्य–जीवन–बोध, समग्रयोग।

इकाई – 3

विवेकानन्द – सार्वभौमिक धर्म, राजयोग, व्यक्ति का स्वरूप, व्यावहारिक वेदान्त।

इकाई – 4

डॉ0 एस0 राधाकृष्णन– तत्त्व – विचार, मोक्ष विचार, भारतीय जीवन दृष्टि, मोक्षविचार।

Department of Philosophy
M.A. Semester – III
Paper - I
Contemporary Indian Philosophy

Unit – 1

Mahatma Gandhi – God, Truth and Non-Violence, Satyagrah, Concept of Geetamata.

Unit – 2

Sri Aurbindo – Conception of Man Nature and God, Realization of Divine life, Integral Yoga.

Unit – 3

Vivekananda – Universal Religion, Rajyoga, Concept of Man, Practical Vedanta.

Unit – 4

Dr. S. Radhakrishnan – Metaphysics, Indian view of Life, Liberation.

Suggested Readings –

1. D.M. Dutta : Chief Currents of Contemporary Philosophy

2. Dr. S. Radhakrishnan : Indian Philosophy, Vol. I & II, Idealistic View of Life
3. Dr. R.S. Srivastava : Contemporary Indian Philosophy
4. बी0के0 लाल : समकालीन भारतीय दर्शन
5. शान्ति जोशी : समसामयिक भारतीय दार्शनिक
6. ए0सी0 भट्टाचार्या : श्री अरविन्द दर्शन
7. डॉ0 लक्ष्मी सक्सेना (सम्पा0) : समसामयिक भारतीय दार्शनिक
8. डॉ0 राजेश कुमार मिश्र एवं डॉ0 गजेन्द्र नारायण मिश्र : श्री अरविन्द का तत्त्व दर्शन

दर्शनशास्त्र विभाग
एम0ए0 सेमेस्टर तृतीय
प्रश्नपत्र द्वितीय

समकालीन पाश्चात्य दर्शन – 1

इकाई – 1

समकालीन पाश्चात्य दर्शन की प्रवृत्तियाँ, जी0ई0मूर– विज्ञानवाद का खण्डन, इन्द्रिय प्रदत्त, फ्रेगे – अर्थ और वस्तु सूचकता।

इकाई – 2

बट्रेण्ड रसेल – तार्किक परमाणुवाद, तटस्थ एकत्ववाद, परिचयात्मक और विवरणात्मक ज्ञान, अर्थ का वस्तुसूचकता सिद्धान्त।

इकाई – 3

लुडविग विट्गेन्स्टाइन – तार्किक परमाणुवाद, अर्थ का चित्र सिद्धान्त, वाक्य और प्रतिज्ञप्ति, नाम और वस्तु।

इकाई – 4

तार्किक भाववाद– ए0जे0 एयर– सत्यापन सिद्धान्त और इसकी विधियाँ, कथन और प्रतिज्ञप्ति, तत्त्वमीमांसा का निरसन, दर्शन का कार्य।

Department of Philosophy
M.A. Semester – III
Paper – II

Contemporary Western Philosophy-1

Unit – 1

Tendencies of Contemporary Western Philosophy – G.E. Moore- Refutation of Idealism, Sense Data, Frege- Meaning and Reference.

Unit – 2

Bertrand Russell – Logical Atomism, Neutral Monism, Knowledge by Acquaintance and Knowledge by Description, Referential Theory of Meaning.

Unit – 3

Ludwig Wittgenstein – Logical Atomism, Picture Theory of Meaning, Sentence and Proposition, Name and Object.

Unit – 4

Logical Positivism - A.J. Ayer - Verification Principle and Methods, Statement and Proposition, Elimination of Metaphysics, Function of Philosophy.

Suggested Readings –

1. D.M. Dutta : Chief Currents of Contemporary Philosophy
2. John Hospers : An Introduction to Philosophical Analysis
3. Ammerman : Classics of Analytic Philosophy
4. Richard Rorty : The Linguistic Turn
5. Pitcher : The Philosophy of Wittgenstein
6. J. Passmore : A Hundred Years of Philosophy
7. नित्यानन्द मिश्र : समकालीन पाश्चात्य दर्शन
8. बसन्त कुमार लाल : समकालीन पाश्चात्य दर्शन
9. लक्ष्मी सक्सेना : समकालीन पाश्चात्य दर्शन

दर्शनशास्त्र विभाग
एम0ए0 सेमेस्टर तृतीय,
प्रश्नपत्र तृतीय (वैकल्पिक)

शांकर वेदान्त – I

1. ब्रह्मसूत्र शांकर भाष्य – चतुःसूत्री
2. वेदान्त परिभाषा – प्रमेय विचार

इकाई – 1

अध्यास, विवर्तवाद, अनिर्वचनीय ख्यातिवाद।

इकाई – 2

प्रथम सूत्र– अथातो ब्रह्मजिज्ञासा, द्वितीय सूत्र– जन्माद्यस्य यतः, इत्यादि की व्याख्या, साधन चतुष्ट्य ब्रह्म का तटस्थ लक्षण का महत्व।

इकाई – 3

तृतीय सूत्र– शास्त्रयोनित्वात्, चतुर्थ सूत्र– तत्तु समन्वयात्, व्याख्या, कर्मविद्याफल, ब्रह्मविद्याफल।

इकाई – 4

ब्रह्म का स्वरूप, आत्मा (जीव), जगत्, माया, मोक्ष।

Department of Philosophy
M.A. Semester – III
Paper – III (Optional)

Shankara Vedanta- I

Unit – 1

Adhyasa, Vivartavada, Anirvachaniya Khayativada.

Unit – 2

First Aphorism – Athato Brahmajijnasa, Second aphorism-Janmadyasya Yatah, with Exploanation, Fourfold Means Importance of Tatastha Lakshama of Brahman.

Unit – 3

Third Aphorism- Sastrayonitvat, Fourth Aphorism – Tat tu Samanvayat, with Exploation, Interpretation, Brahman and Worship, Karmavidya phala, Bramhmavidyaphala.

Unit – 4

Nature of Brahman, Atman (Jiva), Jagat, Maya, Moksha

Suggested Readings –

1. K.C. Bhattacharya : Studies in Vedantism
2. N.K. Devraja : An Introduction to Shankar's Theory of Knowledge
3. S.S. Ray : The Heritage of Shankara
4. Mahadevan : The Philosophy of Advaita
5. Dr. D.M. Datta : Six Ways of Knowing
6. रमाकान्त त्रिपाठी : ब्रह्मसूत्र शांकर भाष्य चतु : सूत्री
7. धर्मराजाध्वीरीन्द्र : वेदान्त परिभाषा (अनु0 आचार्य गजानन शास्त्री मुसलगांवकर)
8. जे0एस0 श्रीवास्तव : अद्वैत वेदान्त की तार्किक भूमिका
9. चन्द्रधर शर्मा : बौद्ध दर्शन और वेदान्त
10. अर्जुन मिश्र : अद्वैत वेदान्त
11. डॉ0 शशि देवी सिंह, शांकर वेदान्त में चैतन्य–तत्त्व

दर्शनशास्त्र विभाग
एम0ए0 सेमेस्टर तृतीय,
प्रश्नपत्र तृतीय (वैकल्पिक)

श्री अरविन्द दर्शन – I

इकाई – 1

क. श्री अरविन्द का दार्शनिक दृष्टिकोण (दि0जी0, ग्र0 1, अ0 2, 3)।

ख. दो निषेध : एकान्तिक भौतिकवाद और आध्यात्मवाद।

ग. पूर्णाद्वैतवाद।

इकाई – 2

क. परम सत् का स्वरूप : सच्चिदानन्द (दि0जी0, ग्र0 1, अ0 9, 10, 11, 12)

अ. शुद्ध सत्

ब. चित् शक्ति

स. आनन्द

ख. शांकर वेदान्त और श्री अरविन्द

इकाई – 3 द्विविध मानवात्मा (दि0जी0, ग्र0 1, अ0 23)

क. सकाम आत्मा और आनन्दमय आत्मा

ख. चैत्य पुरुष

ग. उपरितलीय चेतना एवं अन्तस्तलीय चेतना

इकाई – 4 विकासवाद (दि0जी0, ग्र0 2, भा0 2, अ0 12, 23, 24, 25)

क. विकास की प्रक्रिया, व्यापकता, ऊर्ध्वगमन, संश्लेषण

ख. व्यष्टि और समष्टि का विकास

ग. त्रिविध रूपान्तरण : चैत्यिक, आध्यात्मिक, अतिमानसिक

Department of Philosophy
M.A. Semester –III
Paper – III (Optional)

Philosophy of Sri Aurobindo

Unit – 1

i) The Philosophical View Point of Sri Aurobindo (T.L.D., B.1, Ch. 2,3)

ii) Two Negations : Materialist and Idealist Partial Views of Thought

iii) Integral Non-Dualism

Unit – 2

i) Nature of Ultimate Reality : Saccidanand (T.L.D., B.1, Ch. 9,10,11,12)

a. Pure Existent b. Consciouness Force c. Bliss

ii) Sankara Vedant and Sri Aurobindo

Unit – 3 Double Soul in Man (T.L.D. B.1, Ch. 25)

i) Desire soul and Delight Soul

ii) Psychic Being

iii) Surface Consciouness and Subliminal Consciousness.

Unit – 4 Evalutionism (T.L.D. B.2, P.2, Ch. 23, 24, 25)

i) Process of Evolution : Widening, Heightening and Integration

ii) Individual and Universal Evalution.

iii) Triple Transformation : Psychic, Spiritual and Superamental

Suggested Readings –

1. Sri Aurobindo : The Life Divine
2. Dr. R.S. Mishra : The Integral Advaitism of Sri Aurobindo
3. Dr. S.K. Maitra : An Introduction to the Philosophy of Sri Aurobindo
4. Dr. Satya Jyoti Chakravorty : The Philosophy of Sri Aurobindo
5. Dr.S.K. Chaudhary : The Philosophy of Integralism
6. Dr. V.K. Dubey : Absolutism

7. श्री अरविन्द : दिव्य जीवन
8. एस0के0 मैत्रा (अनुवादक) प्रो0 अंजनी कुमार सिंह : श्री अरविन्द दर्शन की भूमिका
9. डॉ0 रामनाथ शर्मा : श्री अरविन्द का सर्वांग दर्शन
10. डॉ0 अभय चन्द्र भट्टाचार्य : श्री अरविन्द का दर्शन
11. डॉ0 वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी : श्री अरविन्द की हिरण्यमयी चिन्तन यात्रा
12. डॉ0 अंजनी कुमार सिंह एवं डॉ0 नन्दिनी सिंह : श्री अरविन्द का मूल दर्शन
13. डॉ0 राजेश कुमार मिश्र एवं डॉ0 गजेन्द्र नारायण मिश्र : श्री अरविन्द का तत्त्व दर्शन

दर्शनशास्त्र विभाग
एम0ए0 सेमेस्टर तृतीय,
प्रश्नपत्र चतुर्थ

काण्ट का दर्शन–1
(Critique of Pure Reason - 1)

इकाई – 1

समीक्षावाद, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक निर्णय, आनुभविक एवं प्रागनुभविक निर्णय, संश्लेषात्मक प्रागनुभविक निर्णय एवं उनकी सम्भावना, कापरनिकसीय क्रान्ति।

इकाई – 2

इन्द्रिय–संवेद्यता, देश एवं काल, देश का तात्त्विक निगमन, देश का अतीन्द्रिय निगमन, काल का तात्त्विक निगमन, काल का अतीन्द्रिय निगमन।

इकाई – 3

तर्कबुद्धि, बुद्धि विकल्प, प्रागनुभविक प्रत्यय एवं आनुभविक प्रत्यय, स्वरूप एवं प्रकार, बुद्धि विकल्पों का तात्त्विक निगमन, अतीन्द्रिय तर्कशास्त्र।

इकाई – 4

बुद्धि विकल्पों का अतीन्द्रिय निगमन, आत्मगत निगमन एवं वस्तुगत निगमन समाकल्पन, आनुभविक एवं अतीन्द्रिय समाकल्पन। विशुद्ध समाकल्पन की अतीन्द्रिय संश्लेषणात्मक मौलिक एकता।

Department of Philosophy
M.A. Semester – III
Paper – IV
Philosophy of Kant – I
(Critique of Pure Reason – 1)

Unit – 1

Criticism, Synthetic and Analytic Judgment, Apriori and Empirical Judgment, Synthetic Apriori Judgment and their Possibility Coppernican Revolution.

Unit – 2

Sensibility, Space and Time, Metaphysical Deduction of Space, Transcendental Deduction of Space, Metaphysical Deduction of Time, Transcendental Deduction of Time, Transcendental Logic

Unit – 3

Understanding, Categories of Understanding, Apriori Ideas and Empirical Ideas, Judgement and its kinds, Metaphysical Deduction of Categories of Understanding.

Unit – 4

Transcendental Deduction of Categories, Subjective deduction, Objective Deduction, Apperception, Empirical and Transcendental Apperception, Transcendental Synthetic Unity of Pure Consciousness.

Suggested Readings –

1. Kant (Tr. NK. Smith) : Critique of Pure Reason
2. Paton : Metaphysics of Experience
3. A.C. Eving : A Short Commentary on Kant's Critique of Pure Reason
4. Korner : Kant
5. Hartnock : Kant's Theory of Knowledge
6. N.K. Smith : A Short Commentary on Kant's Critique of Pure Reason
7. P.F. Strawson : Bounds of Sense
8. B.A.G. Fuller : A History of Western Philosophy
9. सभाजीत मिश्र : कान्ट का दर्शन
10. संगम लाल पाण्डेय : कान्ट का दर्शन

दर्शनशास्त्र विभाग
एम0ए0 सेमेस्टर तृतीय,
प्रश्नपत्र चतुर्थ (वैकल्पिक)

धर्म दर्शन की समस्यायें–I

इकाई – 1

धर्म का स्वरूप एवं महत्व, धर्म दर्शन की प्रकृति, इसके अध्ययन की आवश्यकता, विज्ञान, दर्शन और धर्म में सम्बन्ध, धर्म और नीति।

इकाई – 2

धर्म की उत्पत्ति और विकास – धर्मों का वर्गीकरण एवं उत्पत्ति से सम्बन्धित सिद्धान्त, जीववाद, प्राणवाद, फीटिशवाद, मानावाद, टोटमवाद।

इकाई – 3

ईश्वर के अस्तित्व सम्बन्धी प्रमाण–सत्ता मूलक तर्क, प्रयोजन मूलक तर्क, कार्य–कारण मूलक तर्क, नैतिक तर्क।

इकाई – 4

धार्मिक विश्वास के आधार –आस्था, विश्वास और तर्क, अनीश्वरवाद।

Department of Philosophy
M.A. Semester – III
Paper – IV (Optional)

Problems of Philosophy of Religion -I

Unit – 1

Nature and Importance of Religion, Nature of Philosophy of Religion and the need foit's Study. The Relation between Science, Philosophy and Religion, Religion and Ethics.

Unit – 2

Origin and Development of Religion-Classification of Religion and the Theories regarding its Origin : Animism, Spiritism, Fetishism, Manaism, Totemism.

Unit – 3

Proofs for the existence of God Ontological Argument, Teleological Argument, Causal Argument, Moral Argumnet

Unit – 4

Foundation of Religious Beliefs : Faith, Belief and Reason, Atheism.

Suggested Readings –

1. Edward Miller : God and Reason
2. John Hick : Philosophy of Religion
3. Galloway : The Philosophy of Religion
4. Radhakrishnan : An Idealist View of Life
5. A. Thompson : A Modern Philosophy of Religion
6. हृदय नारायण मिश्र : धर्म दर्शन परिचय
7. हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा : धर्म दर्शन की रूपरेखा
8. दुर्गादत्त पाण्डेय : अर्वाचीन धर्म दर्शन
9. वेदप्रकाश वर्मा : धर्म दर्शन
10. याकूब मसीह : धर्मदर्शन

दर्शनशास्त्र विभाग
एम0ए0 सेमेस्टर चतुर्थ,
प्रश्नपत्र प्रथम

तुलनात्मक धर्म

इकाई – 1

धर्मों की तुलना – महत्त्व एवं पद्धति।

तुलना के आधार – वैचारिक एवं क्रियात्मक, उद्‌भव, विकास एवं उपयोगिता।

धर्मों का लक्ष्य एवं उसको प्राप्त करने का उपाय – आत्म साक्षात्कार एवं लोक–दृष्टि (स्वधर्म एवं परधर्म)।

इकाई – 2

हिन्दूधर्म – तत्त्व विचार एवं आचार, विश्वैकात्म्यवाद एवं अवतारवाद ।

बौद्ध धर्म – नैरात्म्यवाद, निर्वाण और बोधिसत्व।

जैन धर्म – बन्धन, मोक्ष और पंच महाव्रत।

इकाई – 3

ईसाई धर्म – ईश्वर, पवित्र आत्मा, प्रेम और मसीहा की अवधारणा।

इस्लाम धर्म – पंच स्तम्भ, सूफीवाद।

रहस्यवाद एवं धार्मिक अनुभूति।

इकाई – 4

विश्व धर्म की सम्भावना, वैज्ञानिक अभिरुचि।

धर्म निरपेक्षता, धार्मिक सहिष्णुता एवं धार्मिक कट्टरतावाद।

डॉ0 भगवानदास के धर्म सम्बन्धी विचार, विश्व धर्मों की एकता।

Department of Philosophy
M.A. Semester IV
Paper I
Comparative Religion

Unit – 1

Comparision of Religions – Importance and Methods

Standards of Comparision – Theoritical and Practical, Origin, Development and Utility.

Aims of Religion and Ways of Achieving – Itself Realisation and World-View.

Unit – 2

Hinduism – Metaphysics and Ethics, Theory of one Self, Incarnation.

Buddhism – Nairatmyavada, Nirvana and Bodhisattva.

Jainism – Bondage and Liberation, Five Mahavratas.

Unit – 3

Christianity – God, The Holy Ghost, Concept of Christ and Love.

Islam – Five Pillars, Sufism.

Mysticism and Religious Experience.

Unit – 4

Possibility of World Religion, Scientific Temper.

Religious Tolerance and Secularism.

Dr. Bhagwan Das's Views on Religion – Unity of World Religions.

Suggested Readings –

1. Joachim Wach : A Comparative study of Religions
2. P.V. Chatterji : Studies in Comparative Religion
3. J.N. Ferkuhar : Outlines of Religions Literature of India
4. R.S. Mishra : Philosophical Foundation of Hinduism
5. आर0एस0 श्रीवास्तव : तुलनात्मक धर्म
6. एच0एन0 मिश्र : विश्व के प्रमुख धर्म
7. याकूब मसीह : धर्म का तुलनात्मक अध्ययन
8. हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा : धर्मदर्शन की रूपरेखा
9. बी0एन0 त्रिपाठी : प्रमुख धर्मों का तुलनात्मक विवेचन
10. पिताम्बरदास एवं ओम प्रकाश सोनिया : समाजिक पुनर्निर्माण में डॉ0 भगवानदास के धर्म दर्शन का योगदान

दर्शनशास्त्र विभाग
एम0ए0 सेमेस्टर चतुर्थ,
प्रश्नपत्र द्वितीय

समकालीन पाश्चात्य दर्शन – 2

इकाई – 1

पश्चात्वर्ती विट्गेन्स्टाइन–तार्किक परमाणुवाद का खण्डन, दार्शनिक समस्याओं का स्वरूप, भाषा का प्रयोग, भाषीय–खेल।

इकाई – 2

गिल्बर्ट राइल–तार्किक व्यवहारवाद, कोटि–भूल, जे0एल0 आस्टिन–भाषा के स्थिरार्थक एवं सम्पादनात्मक प्रयोग, वाक्–क्रिया।

इकाई – 3

डब्ल्यू0वी0 क्वाइन–अनुभववाद के दो हठ, तीक्ष्ण अनुभववाद, पी0एफ0 स्ट्रासन–व्याख्यात्मक एवं संशोधनात्मक तत्त्वमीमांसा, व्यक्ति की अवधारणा।

इकाई – 4

हुजरल–फेनामेनालॉजिकल विधि, चेतना की विषयापेक्षा, अस्तित्ववाद – किंर्कगार्ड, हेडेगर एवं सार्त्र।

Department of Philosophy
M.A. Semester – IV
Paper – II

Contemporary Western Philosophy - 2

Unit – 1

Later Wittgenstein- Refutation of Logical-Atomism, Nature of Philosophical Problem, Uses of Language, Language Game.

Unit – 2

Gilbert Ryle-Logical Behaviourism, Categorical Mistake, J.L. Austin – Constative and Performative Use of Languages

Unit – 3

W.V. Quine – Two Dogmas of Empiricism, Acute Empiricism, P.F. Strawson – Descriptive and Revisionary Metaphysics, Concept of Person

Unit – 4

Edmond Husserl – Phenomenological Method, Intentionality of Consciousness, Existentialism-Kirkegaurd, Heidegger and Sartre.

Suggested Readings –

1. D.M. Dutta : Chief Currents of Contemporary Philosophy
2. John Hospers : An Introduction to Philosophical Analysis
3. Ammerman : Classics of Analytic Philosophy
4. Richard Rorty : The Linguistic Turn
5. Pitcher : The Philosophy of Wittgenstein
6. J. Passmore : A Hundred years of Philosophy
7. B.N. Tripathi : Meaning of Life in Existentialism
8. नित्यानन्द मिश्र : समकालीन पाश्चात्य दर्शन
9. बसन्त कुमार लाल : समकालीन पाश्चात्य दर्शन
10. लक्ष्मी सक्सेना : समकालीन पाश्चात्य दर्शन

दर्शनशास्त्र विभाग
एम0ए0 सेमेस्टर चतुर्थ,
प्रश्नपत्र तृतीय (वैकल्पिक)

शांकर वेदान्त – II

1. ब्रह्मसूत्र शांकर भाष्य – तर्कपाद
2. वेदान्त परिभाषा – प्रमाण और प्रामाण्य

इकाई – 1

1. स्यादवाद, मध्यमपरिमाणवाद, परमाणुवाद एवं प्रकृति परिणामवाद का खण्डन।

इकाई – 2

विज्ञानवाद, शून्यवाद एवं क्षणिकवाद का खण्डन।

इकाई – 3

प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान, एवं शब्द प्रमाण।

इकाई – 4

अर्थापत्ति, अनुपलब्धि, प्रामाण्यवाद– स्वतः प्रामाण्यवाद, परतः प्रामाण्यवाद का खण्डन।

Department of Philosophy
M.A. Semester -IV
Paper – III (Optional)

Shankar Vedant – 2

1. Brahma-Sutra Sankar Bhasya – Tarkapada

2. Vedanta Paribhasa – Pramana and Pramanyas

Unit – 1

Refutaion of Syadavada, Madhyamaparinamavada and Pakritiparinamavada.

Unit – 2

Refutation of Vijnanvada, Sunyavada and Ksanikvada.

Unit – 3

Pratyaksa, Anumana, Upmana and Sabda Pramana.

Unit – 4

Arthapatti, Anupalabdhi, Pramanyavada-Svatahpramanyavada and Refutation of Paratahpramanyavada.

Suggested Readings –

1. K.C. Bhattacharya : Studies in Vedantism
2. N.K. Devraja : An Introduction to Shankar's Theory of Knowledge
3. S.S. Ray : The Heritage of Shankara
4. Mahadevan : The Philosophy of Advaita
5. Dr. D.M. Datta : Six Ways of Knowing
6. रमाकान्त त्रिपाठी : ब्रह्मसूत्र शांकर भाष्य चतुःसूत्री
7. धर्मराजाध्वीरीन्द : वेदान्त परिभाषा (अनु0 आचार्य गजानन शास्त्री मुसलगांवकर)
8. जे0एस0 श्रीवास्तव : अद्वैत वेदान्त की तार्किक भूमिका
9. चन्द्रधर शर्मा : बौद्ध दर्शन और वेदान्त
10. अर्जुन मिश्र : अद्वैत वेदान्त
11. डॉ0 शशिदेवी सिंह : शांकर वेदान्त में चैतन्य–तत्त्व

दर्शनशास्त्र विभाग
एम0ए0 सेमेस्टर चतुर्थ
प्रश्नपत्र तृतीय (वैकल्पिक)

श्री अरविन्द दर्शन–2
(दिव्य जीवन के चयनित अध्याय)

इकाई – 1

चेतना के आयाम (दि0जी0, ग्रन्थ 1, अ0 8, ग्र0 2, भाग –1, अ0 10, ग्र0 2 भाग 2, अ0 15)

क. चेतन, अवचेतन, अतिचेतन

ख. इन्द्रिय, मन, बुद्धि

ग. अन्तर्भास

घ. ज्ञान के चतुष्क्रम

ङ. सप्तविधज्ञान और ऐक्य ज्ञान

इकाई – 2

अतिमानस (दि0जी0, ग्र01, अ0 14, 16, 18 ग्र0 2 भा0 2 अ0 26, 27)

क. स्वरूप और कार्य

ख. अतिमानसिक सत्ता की विशेषताएं

ग. सत्ता के सात सूत्र

घ. मानस, उच्चतर मानस, प्रदीप्त मानस तथा सम्बोधिमानस, अधिमानस एवं अतिमानस

इकाई – 3

अज्ञान की उत्पत्ति और स्वरूप (दि0जी0, ग्र0 1, अ0 13, ग्र0 2 भा0 1, अ0 6, 7, 8, 10, 11, 13 ग्र02, भा0 2 अ0 19)

क. सृष्टि की प्रक्रिया और अज्ञान

ख. अज्ञान की प्रकृति

ग. अज्ञान का स्रोत

घ. अज्ञान और माया

इकाई – 4

दिव्य जीवन (दि0 जी0, ग्र0 2 भा0 2, अ0 26, 27, 28)

क. दिव्य जीवन का अर्थ

ख. दिव्य जीवन का प्रभाव

ग. जीवनमुक्त और विज्ञानमय पुरुष

घ. पृथ्वी पर अतिमानस की अभिव्यक्ति

Department of Philosophy
M.A. Semester – IV
Paper – III
Philosophy of Sri Aurobindo – 2
(Selected Chapter of The Life Divine)

Unit – 1 Dimensions of Conciousnss (T.L.D. B I Ch. 8, B 2 P. I Ch. 10, B2 P II Ch. 15)

i) Super Conscient, Consciousness and Sub-Consciousness

ii) Senses, Mind and Intellect

iii) Intution

iv) Four Fold Order of Knowledge

Unit – 2 Supermind (T.L.D. B I, Ch. 14, 16, 18, B. 2 Part 2 Ch. 26, 27)

i) Nature and Function

ii) Characteristics of Being

iii) Seven Chord of Being

iv) Mind, Higher Mind, Illumined Mind, Intutive Mind, Over Mind, Super Mind

Unit – 3 Nature and Origin of Ignorance (T.L.D. B.1, Ch. 13, B.2, P.1, Ch. 6, 7, 8, 10, 11, 13, B.2, P.2, Ch. 19)

i) Process of Universe and Ignorance

ii) Nature of Ignorance

iii) Origin of Ignorance

iv) Ignorance and Maya

Unit – 4 The Life Divine (T.L.D. B.2, P.2, Ch. 26, 27, 28)

i) Meaning of The Life Divine

ii) The Impact of Life Divine

iii) Jivan Mukt and Gyonstic Being

iv) Supremental Menifestation upon Earth

Suggested Readings –

1. Sri Aurobindo : The Life Divine
2. Dr. R.S. Mishra : The Integral Advaitism of Sri Aurobindo
3. Dr. S.K. Maitra : An Introduction to the Philosophy of Ari Aurobindo
4. Dr. Satya Jyoti Chakravarty : The Philosophy of Sri Aurobindo
5. Dr. S.K. Chaudhary : The Philosophy of Integralism
6. Dr. V.K. Dubey : Absolutism, East and West
7. दिव्य जीवन : श्री अरविन्द
8. एस0के0 मैत्रा (अनु0) प्रो0 अंजनी कुमार सिंह : श्री अरविन्द दर्शन की भूमिका
9. डॉ0 रामनाथ शर्मा : श्री अरविन्द का सर्वांग दर्शन
10. डॉ0 अभयचन्द्र भट्टाचार्य : श्री अरविन्द का दर्शन
11. डॉ0 वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी : श्री अरविन्द की हिरण्यमयी चिन्तन यात्रा
12. डॉ0 अंजनी कुमार सिंह एवं डॉ0 नन्दिनी सिह : श्री अरविन्द का मूल दर्शन

दर्शनशास्त्र विभाग
एम0ए0 सेमेस्टर चतुर्थ,
प्रश्नपत्र तृतीय (वैकल्पिक)

काण्ट का दर्शन –II

(क्रिटिक ऑफ प्योर रीजन–II)

इकाई – 1

आकारायण, बुद्धि विकल्पों के आकृति कल्प, सिद्धान्तों की समीक्षा, बुद्धि विकल्पों के सिद्धान्त, अनुभव की स्वयं सिद्धियाँ, प्रत्यक्ष के पूर्वानुमान।

इकाई – 2

अनुभव के सादृश्य, द्रव्य कारणता एवं अन्योन्याश्रय सम्बन्धी सादृश्य, आनुभविक विचार की पूर्वमान्यताएं, संवृत्ति एवं परमार्थ।

इकाई – 3

अतीन्द्रिय द्वन्द न्याय, शुद्धबुद्धि, शुद्धबुद्धि के आकार, तर्काभास, तार्किक तर्काभास और अतीन्द्रिय तर्काभास, बौद्धिक मनोविज्ञान, बौद्धिक मनोविज्ञान के तर्काभास।

इकाई – 4

विप्रतिषेध, बौद्धिक सृष्टिविज्ञान एवं उनके विप्रतिषेध, बौद्धिक ईश्वर विज्ञान – सत्तामूलक तर्क, सृष्टि मूलक तर्क एवं प्रयोजन मूलक तर्कों का खण्डन।

Department of Philosophy
M.A. Semester – IV
Paper – III

Philosophy of Kant – II
(Critique of Pure Reason - 2)

Unit – 1

Schematism, Schemata of Categories, Analytic of Principles, Principles of Categories, Axioms of Intuition, Anticipation of Perception.

Unit – 2

Analogies of Experience; Analogies of Substance, Causality and Reciprocity, Postulates of Empirical Thought, Phenomena and Noumena.

Unit – 3

Transcendental Dialectic, Reason, Forms of Reason, Paralogism, Logical Paralogism and Transcendental Paralogism, Rational Psychology, Paralogisms of Rational Psychology

Unit – 4

Antinomy, Rational Cosmology and their Antinomies, Rational Theology – Refutation of Ontological, Causal and Teleological Arguments.

Suggested Readings –

1. Kant (Tr. N.K. Smith) : Critique of Pure Reason
2. Paton : Metaphysics of Experience
3. A.C. Eving : A short Commentary on Kant's Critique of Pure Reason
4. Korner : Kant
5. Hartnock : Kant's Theory of Knowledge
6. N.K. Smith : A Short Commentary on Kant's Critique of Pure Reason
7. B.A.G. Fuller : A History of Western Philosophy
8. Edward Caird : Critical Philosophy of Imanucl Kant
9. P.F. Strawson : The Bounds of Sense
10. Benett : Kant's Dialectics
11. संगम लाल पाण्डेय : काण्ट का दर्शन
12. सभाजीत मिश्र : काण्ट का दर्शन
13. जगदीश सहाय श्रीवास्तव : अर्वाचीन दर्शन का वैज्ञानिक इतिहास

दर्शनशास्त्र विभाग
एम0ए0 सेमेस्टर चतुर्थ,
प्रश्नपत्र चतुर्थ (वैकल्पिक)

धर्म दर्शन की समस्यायें – 2

इकाई – 1

धर्मों में प्रतीक का स्वरूप अर्थ और महत्व, अशुभ और दुःख की समस्या।

इकाई – 2

धार्मिक अनुभूति – रहस्यवाद, रहस्यात्मक अनुभूति की विशेषताएं, रहस्यवाद के उदाहरण, धार्मिक चेतना का स्वरूप।

इकाई – 3

धार्मिक भाषा– ए.जे. एयर और धार्मिक भाषा, हेयर का ब्लिक सिद्धान्त, ब्रेथवेट के अनुसार धार्मिक भाषा का स्वरूप, धार्मिक भाषा के सम्बन्ध में ए0जी0एन0 फ्लिव का मिथ्यापनीयता सिद्धान्त।

इकाई – 4

अर्न्तधार्मिक संवाद और सार्वभौम धर्म की सम्भावना, धर्मों की एकता, धार्मिक सहिष्णुता और धर्म निरपेक्षता।

Department of Philosophy
M.A. Semester – IV
Paper – IV (Optional)

Problems of Philosophy of Religion - 2

Unit – 1

Nature, Meaning and Importance of Symbol in Religion, Problems of Evil and Sorrow.

Unit – 2

Religious Experience - Mysticism, Characteristics of Mystic Experience, Examples of Mysticism, Nature of Religious Conciousness.

Unit – 3

Religions Language – A.J. Ayer and Religious Language, Blick Theory of Hare, Nature of Religious Language According to Braithwaite. Falsifiability Principle of A.G.N. Flew Regarding Religious Language.

Unit –4

Interreligious Dialogue and Possibility of Universal Religion, Unity of Religions, Religious Tolerance and Secularism.

Suggested Readings –

1. Edward, Miller : God and Reason
2. John Hick : Philosophy of Religion
3. Galloway : The Philosophy of Religion
4. Radhakrishnan : An Idealist View of Life
5. A Thompson : A Modern Philosophy of Religion
6. हृदयनारायण मिश्र : धर्म दर्शन परिचय
7. हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा : धर्म दर्शन की रूपरेखा
8. दुर्गादास पाण्डेय : अर्वाचीन धर्म दर्शन
9. वेदप्रकाश वर्मा : धर्म दर्शन
10. याकूब मसीह : धर्म दर्शन

(प्रो0 विष्णुदत्त पाण्डेय)
अध्यक्ष, दर्शनशास्त्र विभाग
महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ,
वाराणसी